



मजबूत भारत उन्हें मंजूर नहीं

शशि शेखर

उस दिन छोटी दीवाली थी। उल्लास के उन खुबसूरत लम्हों में खबर उभरी कि भारत और चीन की सीमाओं पर सालों से डटी सेनाओं की वापसी का काम पूरा हो गया था। शास्त्रिकमियों का मुंह इस जानकारी के बाद खुद-ब-खुद मीठ हो चला था।

कुछ दूर बाद स्वतंत्र कर देने वाला दूसरा समाचार मिला। कनाडा के उप-विनेश मंत्री डेविड मारिसन ने संसदीय समिति को बताया कि उन्हें ही एक अमेरिकी समाचारकों को वह जानकारी लीक की थी कि कनाडा की भूमि पर हुई कुछ हवायाओं में भारतीय गृह मंत्री की सीलिपात्रा है। यह राजनय के स्थापित मानकों से एकदम विरोधी था। अमेरिकी अपनी भारतीय प्रमाण सहित पहले कूटनीतीक चैनल से संवेदनशील देश की दी जाती है, न कि मीडिया को।

क्या कमाल है? आप संसार के सबसे बड़े लोकत्र के सावधानिक लोकप्रिय नेताओं में से एक के विरुद्ध खबरें लोट रखा है और उसी संसदीय समिति के सामने आपके पुलिस प्रमुख कह रहे हैं कि इन हत्याओं में किसी का भी हाथ हो सकता है। मतलब साकृ है, कि कनाडा की हुक्मनायक के बाहर अपराधियों के बाहर भी हाथ रखा गया है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूप का भारत पर अरोप लगाया हुए स्पष्ट कर चुके हैं कि मैं यह जानकारी 'ईंटिलिजेन्स सोरेंस' के हवाले से देखा हूँ। बिना प्रमाण प्रेसे आरोप! यह बेशमी है कि बिला वजह की है। ट्रूप के संवेदनशील मानते हैं कि वह जन-बुद्धिकोषे का कर रहे हैं, ताकि उन्हें सिखायें के बोट मिल सके। मुट्ठी भर अतिवादियों को यह राग भले रास आता है, पर वहाँ बसे अधिकांश सिखों को खालिसना से कोई मतलब नहीं।

कनाडाई राजनेता लंबे समय से भारतीय संवेदनाओं पर आधार करते रहे हैं। आपको 23 जून, 1985 का कनिष्ठ विमान हादसा याद होगा। इस घृणित आतंकवादी वारदात के

चलते 329 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। कनाडा ने इस दुर्घटनाको आज तक अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया। और तो और, इस कांडा का प्रमुखतम अभियुक्त तलविदर सिंह परमार कनाडा में शरण पाने के बाद इतना बख्ताफ़ हो गया था कि वह सारत लौट आया, जहां 1992 में सुरक्षा बलों ने उसे मिर्गारा।

अश्चर्य नहीं कि सन् 1973 से 2015 तक कोई भारतीय प्रधानमंत्री विपक्षीय वारा के लिए कनाडा नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान सहित तमाम देशों से भारत के रिश्ते सुधारने की पहल की थी। इसी नेकनीयती के तहत वह अगस्त 2015 में कनाडा गए थे। उस दौरे के बाद उमीद जताई जा रही थी कि भारत-कनाडा रिश्तों में गम्भीर आपाई। ट्रूप और उनकी मंडली ने इस भलमनसाहार पर पानी फेर दिया है।

ऐसा नहीं होता, तो कनाडा ने भारत के उच्चायुक्त सहित सात राजनयिकों को बिना किसी खास कारण के नियक्षित न किया ही। इसे कनाडा का शत्रुतापूर्ण रखा है तो मानेंगे कि बड़ी संख्या में भारतीय अतंकवादी और अपराधियों वालों ने आश्रय ग्रहण कर रखा है। यह भी गैरतरब के बाहर वह अन्य देशों के लिए विश्वास देता है कि वह दृष्टिशंख की अंखें दोनों भारतीय गृह मंत्री की सुधारित रखा, उनका वहा प्रवेश संभव नहीं। आपको जानकर अश्चर्य होगा कि कनाडा में शरण पाने वाले अलगाववादियों में इंग्लॉन और तुकी के बाद भारतीयों का ही होता है।

यही नहीं, इस बार जिस तरह 23 साल से मनारू जाने वाली दीवाली के आयोजन को वहाँ बकायक रद्द कर दिया गया, वह भी कनाडा के गजनीनीकर रखै को जगजाहिर करता है। कनाडा में सिर्फ अलगाववादी जस्टिन ट्रूप का भारतीय गृह मंत्री हो गया। यह बेशमी है कि बिला वजह की है। ट्रूप के संवेदनशीलों को वहाँ भी देखा जाता रहा है। अपने पहले अधिवासी में नीमा को फानी करके नाम 5,000 मीटर की ऊंचाई तक 40-50 किलो वजन द्वारा रहे कुलियों के पास सही जूते तक नहीं हैं। नीमा की भीत विचार उभरा, उन्हें शेरायों से जुड़े इंस्टीटियोड को तोड़ा है।

कनाडाई राजनेता लंबे समय से भारतीय संवेदनाओं पर आधार करते रहे हैं। आपको 23 जून, 1985 का कनिष्ठ विमान हादसा याद होगा। इस घृणित आतंकवादी वारदात के



और बीड़ियों होने के बाद भी हिंदू मंदिरों पर हमला करने वाले आकामकों से अभी तक सख्ती से निपटा नहीं गया है। कुछ अन्य यूग्मीय मुलक भी ऐसी लापवाही के दोषी हैं।

जिनके अपने घर शीशे के ही, वे भला दूसरों के घरों पर पत्थर कैसे फेंक सकते हैं?

अफसोस इस सकारात्मक काही की है कि इस मामले में अमेरिका को अस्थिर करने के साथी उसके सुनियाजित जुगलबंदी है। इसका आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। आखिर क्या वजह है कि जिन दिन भारतीय और चीनी सीनियों की कामारी संपूर्ण हुई, उसी दिन भारतीय गृह मंत्री पर बेंगुनियां आरोप जड़े गए? इनके लिए योजनाबद्ध तरीके से जीमीन तैयार की है। औटोवा के साथ-सात ने पहले कियत्व भारतीय 'एंटेस्ट्रॉप' पर तोहमत मढ़ी। दिनुस्तानी विदेश मंत्रालय ने इसका न केवल ताकिंक खंडन किया, बल्कि कनाडा के एक दूसरे भारतीय उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। इसका प्रामाणिक उत्तर देने के बजाय उसने भारतीय गृह मंत्री का नाम ही उत्तर दिया। इससे सवाल उठ खड़ा हुआ है। क्या कुछ शक्तियों को मजबूत होता भारत और

यहाँ के मजबूत प्रधानमंत्री पसंद नहीं हैं?

इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमें शेख हसीना वाजेद के बयान पर पूछने नहीं। नजर डालनी होगी। शेख हसीना ने तख्ता-पलट से कुछ दिनों पहले कहा था कि मुझे हटाने की साजिश विदेश में रखी जा रही है। उन्होंने बाद में अमेरिका का नाम लिया बिना कहा था कि हमसे एक सामरिक महात्व के द्वारा खिलाफ साजिश स्थानीय गृह मंत्री और मुझे जलावत होना चाहा। बताने की जरूरत नहीं कि शेख हसीना होश से भारत की मिस्र रही है। भारत व बांग्लादेश मिल-जुलका आगे बढ़े और चीन भी मित्रायापूर्ण रखाये अपना ले, तो इस क्षेत्र की गति पकड़ने से कुछ लोगों को यह गतान होनी।

अतीत में भी ऐसा हो चुका है। वर्ष 1984 के बीच झंडियां गांधी विदेशी दोस्तों को याद कीजिए। बत्त अवसर कहाँ थी कि कुछ विदेशी दोस्तों के बारे में तोहम की साजिश रख रही है। उनका इशारा तथाकथित खालिस्तान अंदोलन की ओर हुआ करता था। कुछ सिख युवाओं को बरालाने में तब पाकिस्तानी आईएसआई के अलावा कनाडा और अन्य पाकिस्तानी दोस्तों में बांग्लादेशी दोस्तों के बारे में जानकारी दी गयी थी। इन्होंने जिस अंदाजावाद से लड़ाई होने की समझ ली।

यही वजह है कि अपनी हत्या से महज एक दिन पहले भुवेश्वर की अपनी अंतिम जनसभा में उन्होंने अपने उपर हमले की आशंका की जाता दिया था। उस समय भी हिन्दुस्तान अंसर को अस्थिर करने के साथी उसकी विदेशी दोस्तों के बारे में जानकारी दी गयी थी। उन्होंने जिस अलाजावाद से लड़ाई होने की समझ ली।

@shekharkahn

@shashishkhan.journalist



नीमा इंजी शेखर

पर्वतराही

पर्वतराही

दुनिया के ऊंचे शिखरों को सरकरता एक शेरपा

तब वह महज 16 साल के थे और पहली ही चुनौती थी, हत्यारे पर्वत के नाम से कुख्यात मनास्तू शिखर! इशारे बुलंद थे, किशोर कमाल करता रहा गया। पिछले दिनों शिशापांगमा चोटी पर पहुंचकर नीमा ने दुनिया के ऊंचे शेरपों में सबसे ऊंचे शिखरों को छोड़ा।

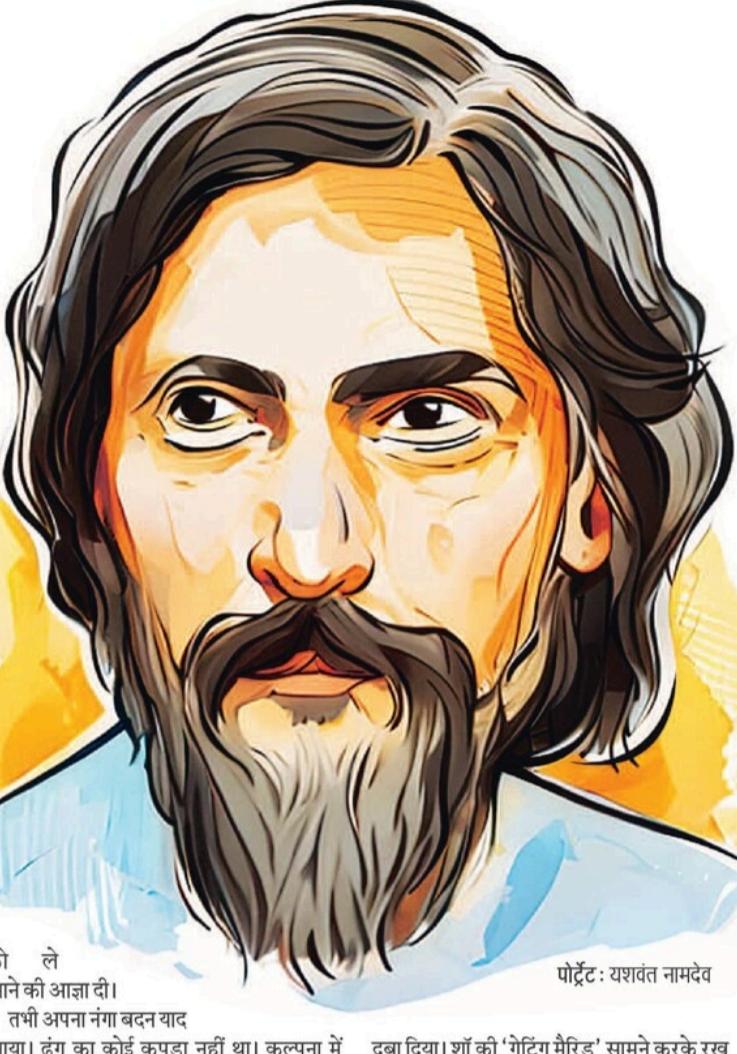
बचपन में किसी माली अधाव का सामना नहीं करना चाहता था कि वह अपनी भारतीय अंकारों के बाहर भी चुनौती थी। नीमा के बारे में इनकी शेरीय और अंकारी शेरीय अंकारों की ओर गैर-किसानी की आकर्षित किया। तमाम पारंपरिक शेरों में ऐसे हुनरमंडी जीने का नया नजरिया पेश कर रहे हैं। नीमा इसी शेरपा तो अभी महज 18 साल के हैं। उन्होंने एक ऐसे कारोबारी के बाहर भी चुनौती दी जाए तो उन्होंने एक ऐसे कारोबारी के बाहर भी चुनौती दी।

नीमा के बारे में इनकी शेरीय और अंकारी शेरीय अंकारों की ओर गैर-किसानी की आकर्षित किया। तमाम पारंपरिक शेरों में ऐसे हुनरमंडी जीने का नया नजरिया पेश कर रहा है। नीमा इसी शेरपा तो अभी महज 18 साल के हैं। उन्होंने एक ऐसे कारोबारी के बाहर भी चुनौती दी।

साल 2006 में काटमांडू में नीमा पैदा हुए। पिता ताशी लकड़ा शेरीय और अंकारी शेरीय दोनों दोस्तों के बाहर भी चुनौती दी। नीमा के बारे में इनकी शेरीय और अंकारी शेरीय अंकारों की ओर गैर-किसानी की आकर्षित किया। तमाम पारंपरिक शेरों में ऐसे हुनरमंडी जीने का नया नजरिया पेश कर रहा है। नीमा इसी शेरपा तो अभी महज 18 साल के हैं। उन्होंने एक ऐसे कारोबारी के बाहर भी चुनौती दी।

प्रकाशक लेखकों की कद्र नहीं करते

हिंदी साहित्य में छायावाद के प्रमुख संभ रहे 'निराला' हिंदी कविता में मुक्त छंद के प्रवर्तक माने जाते हैं। कहानियां, उपन्यास, निबंध, आलोचना, अनुवाद, बाल साहित्य जैसी तमाम विधाओं में खूब लेखन किया, लेकिन इन्हें सर्वाधिक प्रसिद्धि मिली कविता के क्षेत्र में। 'राम की शक्तिपूजा' और 'सरोज स्मृति' जैसे कालजीय काव्य के रचनाकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की आत्मकथा 'निराला की आत्मकथा' से संपादित अंश...



पोर्ट्रेट: यशवंत नामदेव

चर्चित आत्मकथा - 22

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

जन्म: 21 फरवरी, 1899, निधन: 15 अक्टूबर, 1961

बहुत दिनों की बात है। तब मैं लगातार साहित्य-समूत्र-मंथन कर रहा था, पर निकल रहा था केवल गरला। पान के नेवाले अकेले महादेव बाबू (मरवाला-संपादक) अनमोल रल और रंग के निकलने के अंतराम से अविराम मुझे मथते जाने की सलाह दे रहे थे। यद्यपि विष की जलामा महादेव बाबू की अपेक्षा मुझे ही अधिक जला रही थी। फिर भी मुझे एक आश्चर्यन था कि महादेव बाबू को मेरी शक्ति पर मुझसे भी अधिक विश्वास है। इसी पर वेदांत-विषयक नीरस एक संप्रादायिक पत्र का संवाद-भार छोड़कर मनसा, वाचा, कर्मण सरस कविता-कुमारी की उपसना में लगा। इस चिरंतन वित्तन का कुछ ही महीने में फल प्रत्यक्ष हुआ।

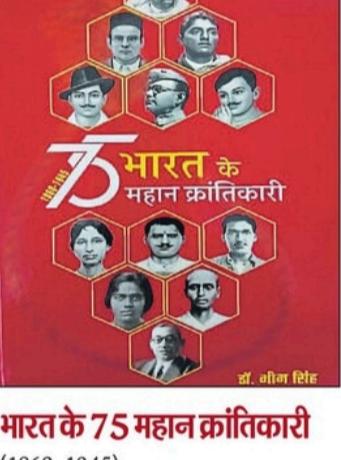
को ले आने की आज्ञा दी।

तभी अपना नंगा बदन याद

आया। ढाग का कोई कपड़ा नहीं था। कल्पना में तरह-तरह के सुट याद आए, पर वास्तव में दो मैले कुर्ते थे। बड़ा गुस्सा लगा प्रकाशकों पर, लेखकों की कद्र नहीं करते। उठकर मुंगीजी के कमरे में गया, उनकी रेशमी चार उड़ा लाया। काव्यों से नहीं में डालकर देखा, फबती है या नहीं। जीने से आहट नहीं मिल रही थी, देत कर तक लगाए बैठा रहा। बालों की जाहाज आई-उकस न गए हों जल्द-जल्द आईना उठाया। एक बार मुझे देखा, कई बार आखेर तभी बाकी समझने के लिए आई है। वहीं से दरवान

दबा दिया। जाँ की 'गोटिंग मैरिड' सामने करके रख दी। डिक्सनरी की सहायता से पढ़ रहा था, डिक्सनरी किताबों के अंदर छिपा दी। फिर नकर गंभीर मुद्रा से बैठा। आगंतुकों को दूसरी मौजल पर जाना था। जीने गेट से दूर नहीं था। फिर भी देत ही रही थी। उठकर कुछ कदम बढ़ाकर देखा, मेरे बचपन के पित्र मिस्टर सुकुल आ रहे।

बड़ा बुरा लगा, यद्यपि कई साल बाद की मूलाकात थी। कूनिम हंसी से होंठ रंगकर उनका हाथ पकड़ा, और लाकर उन्हें बिस्तरे पर बैठाला।



भारत के 75 महान क्रांतिकारी (1860-1945)

लेखक: डॉ. वीरेंद्र

प्रकाशक: स्वतंत्र प्रकाशन, पटना

मूल्य: 500 रुपये (पैपरबैक), 750 रुपये (तजिल)

बचपन से ही चंद्रशेखर का शरीर तंदुरुस्त और स्वभाव चंचल था। परिवार गरीब था। उनका पढ़ने-लिखने में मन भी नहीं लगता था। पर मां की इच्छा थी कि बेटा संस्कृत और शास्त्रों का ज्ञान बने। फलतः उन्हें बनासप भेज दिया गया। बनासप में उनके द्वारा के रिशेदार रहते थे। बनासप के संस्कृत पाठशाला में नाम निलाम दिया गया। हठन-खाने की मूल व्यवस्था किसी धर्मशाला में हो गई। पर पढ़ने में तो चंद्रशेखर का मन नहीं लगता था, इसलिए असहयोग अंदोलन में कूद पड़े और बेंवाली घटना घट गई।

उस घटना के बाद उनका इन बात में विश्वास और बढ़ गया कि अंग्रेजों को देश से निकाल भगाना नहीं, हर साल आजाद करना शुरू कर दिया। अब वह चंद्रशेखर तिवारी की जानवृक्षकर अवधार कर रहा था।

इस संवाद से दंड देना चाहता था, पर किशोर को कठोर दंड देने के कारण सजा नहीं कर सकता था। उसने उसको 15 बेंत मारने की सजा सुना दी।

बालक यह भी कोई कम कठोर सजा नहीं थी।

सजा देने के लिए किशोर को जेल से जाया गया। वहाँ उसे लकड़ी की टिकटी से बंध दिया गया। टिकटी लकड़ी से बना एक उत्तरकरण होता था, जिससे बांध देने पर बंधन में जड़का मनुष्य हिलडुल नहीं सकता था और बेंत की मार की चोट अल्प चीड़ीबाली होती थी। टिकटी से बनाए के बाद जल्दान ने एक-एक बेंत पर उसे 15 बेंत मारे। हर बेंत की बाद किशोर की चमड़ी उड़ा जाती थी। एक बार 'महात्मा गांधी की जय' और 'वेदांत-भारत' बोलता जाता था। बेंत की सजा पूरी होने के बाद नियमानुसार उसे एक चबूती दी गई। उसने चबूती जेट की तरफ उड़ाया और उसके बाद जल्दान के बाद चेतावनी देता था। उसने एक बेंत की बाद उड़ाया। एक बार मुझे देखा, कई बार आखेर तभी बाकी समझने के लिए आई है। वहीं से दरवान

बदा दिया। जाँ की 'गोटिंग मैरिड' सामने करके रख दी। डिक्सनरी की सहायता से पढ़ रहा था, डिक्सनरी किताबों के अंदर छिपा दी। फिर नकर गंभीर मुद्रा से बैठा। आगंतुकों को दूसरी मौजल पर जाना था। जीने गेट से दूर नहीं था। फिर भी देत ही रही थी। उठकर कुछ कदम बढ़ाकर देखा, मेरे बचपन के पित्र मिस्टर सुकुल आ रहे।

बड़ा बुरा लगा, यद्यपि कई साल बाद की मूलाकात थी। कूनिम हंसी से होंठ रंगकर उनका हाथ पकड़ा, और लाकर उन्हें बिस्तरे पर बैठाला।

मृतकों के साथ ही सुकुल ने कहा— 'श्रीमतीजी आई हुई हैं'। मेरी रुखी जमीन पर आधार का पहला दोंगरा गिरा। प्रसन्न होकर कहा— 'अकेली हैं, बैठो तब तक, मैं लिवा लाऊं—तुम लोग दोवियों की इज्जत करना नहीं जानते।'

सुकुल मुकुराए। कहा— 'रस्ता न मालूम होने पर निकल लोगी— ग्रेजुएट हैं, ऑफिस में भतवाला' की प्रतियां खरी रही हैं— तुम्हारी कुछ रचनाएं पढ़कर, खुश होकर।

मैं चल न सका। गर्व को दबाकर बैठ गया। मन में सोचा कवि की कल्पना ज्ञात नहीं होती। कहा भी है, 'जहाँ न जाय रवि, वहाँ जाय कवि।'

कुछ देर बृच्छा गंभीर संभाले बैठा रहा। फिर पूछा—

'हाँ-हाँ, जनावर,' देवीजी मेरू-मूल सीधी काके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर है।'

सुकुल की चोटी मेरी निवाल में उसके बोली— 'बृच्छा गंभीर

पतंजलि®

राष्ट्र, गौ माता एवं सनातन धर्म की रक्षा हेतु आत्मान
पतंजलि का स्वदेशी अभियान है समाजान

Sabut से शाम तक जिंदगी की जरूरत का हर सामान राष्ट्रोत्थान की मावना के साथ पतंजलि का उपलब्ध है तो फिर ऑर्डर्सी क्वालिटी के और बहुत सारे घटिया सामान अपने घर में लाकर खुद को और देश को बीमार व लाचार क्यों करें?

पतंजलि से खुद जुड़ें और कम से कम दस लोगों को जोड़ें।

नीचे लिखे सारे तथ्य व सत्य करोड़ों लोगों तक पहुंचाएँ और अपना योग धर्म, राष्ट्र धर्म और सनातन धर्म निभाएं।

सर्वश्रेष्ठ चुने जब सर्वश्रेष्ठ पतंजलि व्यवनप्राप्त, 100 से अधिक पैरामिटर्स पर खरा पतंजलि हनी और 60 प्रकार के क्वालिटी मापदंडों पर खरा सर्वश्रेष्ठ पतंजलि गाय का पी, मैदा और अनहेल्डी फैट प्री गाय के दूध से निर्मित पतंजलि दूध विस्किट, 100% शुद्ध सरपी का तेल, सभी मसाले व आपके रसोई व बाथरूम का हर सामान गुणवत्तायुक्त उपलब्ध है, जैसे सर्वश्रेष्ठ हेयर केयर-केश कान्ति, सर्वश्रेष्ठ डेटल केयर- दत्तकान्ति, सर्वश्रेष्ठ स्किन केयर- एलोवेरा, सर्वश्रेष्ठ फलो क्लीनर- गोनाइल आदि फौज व HPC प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं, तो फिर विदेशी कम्पनियों के महंगे एवं अधिकांश केमिकल्स युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल क्यों करें?

पतंजलि का राष्ट्र सेवा में योगदान पतंजलि भारत की एकमात्र ऐसी संस्था है, जिसका मूल सिद्धान्त है **अर्थ से परमार्थ** (Prosperity for charity)। पतंजलि कम्पनी का अटीटेट बेनिफिशियरी देश है। योगद्वारा स्वामी रामदेव, पूज्य आचार्य बालकृष्ण सहित पतंजलि के सैकड़ों विद्वान् समर्थ संन्यासियों ने अपना पूजा जीवत माता की सेवा में लगाया है। ऐसा उदाहरण किसी भी विदेशी कम्पनी में लेश मात्र नहीं मिलेगा। आप इस देश के जागरूक नागरिक होने के नाते सोचिए कि, ईस्ट इंडिया कम्पनी से लेकर जिन MNC कम्पनियों की लाखों करोड़ रुपये का साम्राज्य यहाँ चल रहा है वो देश के लिए क्या कर रहीं हैं? बहुत सारी देशी और विदेशी कम्पनियों ने देश के लिए क्या किया यह देशवासियों को अवश्य पूछना चाहिये।

क्या लिया—क्या दिया का हिसाब आपने पतंजलि गाय का पी लिया तो हमने लाखों गोवश की सेवा की। आपने व्यवनप्राप्त, हनी आदि फूड प्रोडक्ट्स और दन्त कान्ति, केश कान्ति, एलोवेरा जैल प्रोडक्ट्स लिए तो पतंजलि विश्वविद्यालय (NAAC A+), पतंजलि आचार्यकूलम, पतंजलि विश्वविद्यालय (NAAC A+), पतंजलि गोशाला, पतंजलि सेंटर आदि छजारों करोड़ों की लागत से निर्मित विषय स्तरीय संस्थाओं द्वारा सेवा के कार्य भारत माता की सेवा के लिए। आपके सहयोग, समर्थन व आशीर्वाद से चल रहा है। फिर भी योग, आयुर्वेद, सनातन विशेषी ताकतें पतंजलि को बदनाम करने के लिए बड़े-बड़े बड़े बड़े रहते रहते हैं।



100 करोड़ भारतीयों से आदावा योग करें और करायें तथा पतंजलि के स्वदेशी अभियान को पूरी ताकत से आगे बढ़ाएं। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि हम भारत माता और मानवता की सेवा के सैकड़ों कार्यों को आगे बढ़ाते रहेंगे और देश को आर्थिक गुलामी, शिक्षा व विकित्सा की गुलामी, वैवाहिक व सांस्कृतिक पराधीनता, रोग व नशा आदि की दासता मिटा कर एक दिन परम वैमवशाली भारत अवश्य बनाएंगे।

व्यापार नहीं, उपकार व उपचार कर रहा है पतंजलि

हमने सैकड़ों रिसर्च एवं एविंडेंस बेस्ड मेडिसिन बना के लिए, किडनी, ब्रेन व हार्ट डिजीज, कैंसर के साथ-साथ बीपी, शुगर, मोटापा, आर्थराइटिस, अस्थमा व वात-पित्त, कफ, त्रिदोष आदि रोगों से पीड़ित लाखों नहीं करोड़ों लोगों का उपचार करके उपचार का काम किया है। पहली बार हाई इम्प्रेक्ट के रिसर्च जरनल्स में पतंजलि के रिसर्च पेपर्स को पब्लिश करा कर आयुर्वेद को रिसर्च एवं एविंडेंस बेस्ड मेडिसिन का दर्जा दिलाया है।

असाध्य रोगों से पीड़ित लाग रोगों से पूर्ण गुरुकृति पतंजलि के लिए अपने नजदीकी कायाकल्प करें। स्वस्थ व्यक्ति भी योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, घटकर्म, नैचुरोपेशी के द्वारा शतायु होने के लिए अवश्य जायें। प्रतिदिन प्रातः 5 से 7:30 व सायं 8 से 9:30 आस्था चैनल पर एवं इंडिया टीवी पर प्रातः 8 बजे स्वामी जी के लाइव कार्यक्रम के देखकर योग, आयुर्वेद व सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों व सिद्धांतों को सीखें।

पतंजलि वेलनेस व योगव्यायाम में ट्रीटमेंट के लिए कॉल करें:

8954666111, 8954666222, 8954666333

(कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से तक 10 बजे तक)

छठ पूजा तक 20% की स्पेशल डिस्काउंट पायें



Kaylite® क्लाइट

साँवलापन | झाईयाँ
त्वचा के दाग-धब्बे
मुहाँसो के दाग

TV Celebrity Soumya Tandon

Cream | Facewash | Soap | Serum | Sunscreen

ऑफर्स का अंतिम दिन

इस माई दूज ॥ शुभ मुहूर्त आया ॥ हीरो साथ लाया

नकद छूट ₹ 5000* तक	कम ब्याज दर 5.99%*	कम डाउन पेमेंट ₹ 1999*	कैशबैंक ₹ 5000* तक
--------------------------	-----------------------	---------------------------	--------------------------



HF Deluxe



Splendor+



GIFT!
Grand Indian Festival of Trust

Toll Free Number: 1800 266 0018 | ADDITIONAL CASH DISCOUNT AVAILABLE ON Flipkart | INSTANT CASHBACK AVAILABLE ON HDFC BANK | pine labs PAY LATER

Special offers for CSD/CPC/Corporate employees. Reach us at: institutionalsales@heromotocorp.com

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.26, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC17354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE: 1800 266 0018 or visit us on www.hermotocorp.com Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. The 5% cashback upto ₹5000/- is applicable on minimum transaction of ₹40,000, subject to the credit card company's, T&Cs. Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. Available at select dealerships. Flipkart and Amazon offers are subject to the sole discretion & T&Cs of respective organisations.

Authorised Dealers: Ranchi: Automobikes, Ph: 9289922173, Anand Autobikes: Ph: 9289923062, Kazaribagh: 9289921860, Shyama Hero, Ratn Road Ph: 9289922711, Autobikes Hero, Main Road Ph: 9289922167, Bariatu Road, Rahul Hero, Ph: 9289922298, Chhatra: Amar Anand Hero, Bistupur, Ph: 9289922163, Darbhanga Hero, Aditya Ph: 9289922457, Union Bikes Hero, Sakchi- 9289922580, Chaibasa: UMC Hero, Ph: 9289922561, Dhanbad: Reliable Hero, Ph: 9289922162, Guru Kripa Hero, Ph: 9289922472, Bokaro: Power Hero, Ph: 9289923197, Chas: Hindustan Hero, Ph: 9289922165, Giridih: Shanti Hero, Ph: 9289922544, Jamshedpur: Unibikes Hero, Ph: 92899222609, Dumka: Dumka Hero, Ph: 9289922940, Godda: Tekriwal Hero, Ph: 9289922609, Tamar: Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-7367976864 Ghorthambar: Ajay Automobiles-9304448201 Hitia: Antant Automobiles-9572606815 Bundu: Ankit Automobiles-7717779788 Bano: Arti Automobiles-7717776522 Jainamore:Bajrang Auto Agency-9471307306 Mehera: Balaji Automobiles-9934853185 Itkhor: Bhadrakali Automobiles-86685 89148 Chirkunda: Bhagwati Automobiles-7061036001 Tamar: Khatri Bikes Hero- 9821749170, Sahebganj: AMAR MOTOR, Ph: 9289923985, GARHWA: JMD MOTORS, Ph: 92899233027 Associate Dealers: Heranji: Arsh Enterprises-9155582871, Naudihabazar: Yuvrat Automobiles-